भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3301 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 7 अगस्त, 2026/16 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाना है

पत्तन पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना

†3301. श्री जगन्नाथ सरकार:

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या श्यामा प्रसाद मुखर्जी पत्तन पर स्थित सेंटेनरी अस्पताल को एक सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल में उन्नत करने के साथ ही एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का कोई प्रस्ताव था;

(ख) यदि हाँ, तो उक्त प्रस्ताव का ब्यौरा क्या है और इसकी क्षमता, निवेश और समय-सीमा क्या है तथा क्या इस कार्य को छोड़ दिया गया है या विलंबित रखा गया है;

(ग) क्या अस्पताल को 450 बिस्तरों वाली सुविधा के रूप में विकसित करने के लिए हाल ही में पीपीपी प्रोजेक्ट के लिए दी गई निविदा में किसी शिक्षण संस्थान या मेडिकल कॉलेज का कोई प्रावधान शामिल है; और

(घ) यदि हां, तो अस्पताल की अवसंरचना के विस्तार के बावजूद मेडिकल कॉलेज के घटक को शामिल न करने या इसके साथ आगे न बढ़ने के कारणों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): जी हाँ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी पत्तन प्राधिकरण (एसएमपीए) में सेनटीनरी अस्पताल को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में उन्नयन करने के साथ-साथ एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया था। प्रस्ताव की मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार थी:

क्र. सं.	**विवरण**	**ब्यौरा**
(i)	मेडिकल कॉलेज की	100 सीटें

	प्रस्तावित क्षमता	
(ii)	प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज के लिए निवेश	निविदा में निर्दिष्ट नहीं किया गया और चयनित रियायतकर्ता द्वारा निर्धारित किया जाना था।
(iii)	प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज के लिए समयसीमा	कोई समय-सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई, क्योंकि निविदा के तहत मेडिकल कॉलेज का विकास, एक वैकल्पिक घटक था।

हालाँकि, निविदा प्रक्रिया के दौरान परियोजना संरचना की समीक्षा के बाद, एसएमपीए द्वारा मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए प्रस्ताव को आगे नहीं बढ़ाया गया।

(ग) और (घ): इस परियोजना का उद्देश्य सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के विकास के माध्यम से एसएमपीए कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और अन्य लाभार्थियों के लिए बेहतर और उन्नत उपचार सुविधाएं प्रदान करना है और तदनुसार, परियोजना से मेडिकल कॉलेज घटक को बाहर रखा गया, क्योंकि संभावित बोलीदाताओं को संयुक्त परियोजना में दिलचस्पी नहीं थी।

*****